class 10th
sub Hindi
date 5/5/20
learn and write In fair notebook

4 परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा, निम्न काव्यांश के आधार पर लिखिए

बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

अथवा 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम ने अपने विषय में जो कहा उसे अपने शब्दों में लिखिए। **CBSE 2008**

उत्तर परशुराम ने सभा में कहा कि मैं बाल ब्रह्मचारी हूँ और अत्यंत क्रोधी स्वभाव का हूँ। सारी दुनिया जानती है कि मैं क्षत्रिय कुल का नाश करने वाला हूँ। मैंने अपनी भुजाओं के बल से अनेक बार इस पृथ्वी को राजाओं से रहित कर दिया था और जीती हुई पृथ्वी ब्राह्मणों को दान में दे दी थी। मैंने इस फरसे से सहस्रबाहु की भुजाओं को काट डाला था। मेरा यह फरसा इतना भयानक है कि इसे देखने मात्र से स्त्रियों के गर्भस्थ शिशु भी नष्ट हो जाते हैं।

5 लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं? **CBSE 2013**

अथवा 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर संक्षेप में लिखिए कि परशुराम की क्रोधपूर्ण बातें सुनकर लक्ष्मण ने उन्हें शूरवीर की क्या पहचान बताई? **CBSE 2008**

उत्तर *लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएँ बताईं*

- वीर योद्धा अपनी वीरता का बखान अपने मुँह से नहीं करते।
- अपने बल का बखान करना तो कायरों का काम है।
- वीर व्यक्ति धैर्यवान और क्रोध रहित होता है।
- वीर योद्धा अपशब्द नहीं बोलते हैं।
- वीर योद्धा अपना प्रताप युद्ध में दिखाते हैं।